

B.A. 5th Semester (Honours) Examination, 2021 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : CC XI

Time : 3 hours

Full Marks : 60

The figures in the right hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. অধোনির্দিষ্টেষু প্রশ্নেষু যথেষ্টং ষট্ প্রশ্নাঃ সমাধেয়াঃ। তত্র যৎ কিঞ্চন দ্বিতয়ং সুরগিরা উপস্থাপ্যতাম্।
(নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোন ছয়টি প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে দুটির উত্তর সংস্কৃতে লেখ।)

5×6=30

- a. স নো বৃষ্টিং দিবস্পরি
স নো বাৰ্জমন্বর্বাণম্।
স নঃ সহস্রিণীরিষঃ—ইতি মন্ত্রস্য কোষ্ঠকে বৈদিকশব্দং প্রদায় বঙ্গভাষয়া অনুবাদ ইষ্যতে।
(বন্ধনীর মধ্যে বৈদিক শব্দ দেখিয়ে উক্ত মন্ত্রের বাংলায় অনুবাদ কর।)
- b. যো জাত এব প্রথমো মনস্বান্
দেবো দেবান্ ক্রতুনা পর্যভূষৎ।
যস্য শুভ্রাদরোদসী অভ্যসেতাং
নৃনস্য মহা স জনাস্ ইন্দ্রঃ ॥ —কোষ্ঠকে বৈদিকং শব্দং প্রদায় মন্ত্রোহয়ং বঙ্গভাষয়া অনুদ্যতাম্।
(বন্ধনীর মধ্যে বৈদিক শব্দ দেখিয়ে উক্ত মন্ত্রের বাংলায় অনুবাদ কর।)
- c. উপরিষ্টাৎ (a)-(b)-স্থিতয়োঃ মন্ত্রয়োঃ কস্যচিদেকস্য সম্বরঃ পদপাঠঃ প্রদর্শ্যতাম্।
(উপরে (a) প্রশ্নে অথবা (b) প্রশ্নে লেখা মন্ত্রটিকে স্বরচিহ্নের পরিবর্তনসহ পদপাঠে লেখ।)
- d. ময়া সো অন্নমত্তি যো বিপশ্যতি
যঃ প্রাণিতি য ঙ্গ শৃণোতুক্তম্।
অমন্তুবো মাং ত উপ ক্ষিয়ন্তি
শ্রুধি শ্রুত শ্রদ্ধিবং তে বদামি —ইতি ঋক্ ঋষিচ্ছন্দোদেবতানির্দেশপূর্বকং সায়ণভাষ্যোক্তদিশা
সুরগিরা ব্যাখ্যেয়া। (আলোচ্য মন্ত্রটি ঋষি, ছন্দঃ ও দেবতা-নির্দেশপূর্বক সংস্কৃত ভাষায় সায়ণানুসারী
ব্যাখ্যা কর।)
- e. 'তত্র কো মোহঃ কঃ শোক একত্বমনুপশ্যতঃ'—ইতি মন্ত্রাংশঃ ভাষ্যোক্তদিশা সংস্কৃতেন ব্যাখ্যেয়ঃ।
(আলোচ্য মন্ত্রাংশটি ভাষ্যানুসারী সংস্কৃতে ব্যাখ্যা কর।)

- f.(i) शस्त्रस्तोत्रयोरैकतरस्य व्याख्या कार्या सुरगिरा। (संस्कृत व्याख्या कर—शस्त्र अथवा स्तोत्र।)
- (ii) मध्यन्दिनसवनम् निष्केबल्यशस्त्रम् वेत्यस्य टिप्पणी संस्कृतेन विधेया। (संस्कृते टीका लेख—माध्यन्दिनसवन अथवा निष्केबल्यशस्त्र।)
- g. पदपाठे इतिकरणस्य वैशिष्ट्यं पर्यालोच्यताम्।
(पदपाठे इति-र व्यवहार पर्यालोचना कर।)
- h. अग्नेर्महिमा भवदधीतवेदभागमाधारीकृत्य वर्णनीयः।
(अग्निदेवतार महिमा पाठ्यानुसारी वर्णना कर।)

2. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु यथाकामं प्रश्नत्रयम् समाधेयम्। (नीचेर प्रश्नগুলির मध्ये ये कोन तिनटिर उत्तर दाओ।)

10×3=30

- a. ऋशोपनिषदि आन्नातमात्रस्वरूपं यथायथं पर्यालोच्यताम्।
(ऋशोपनिषद् अबलमन्त्रे आत्रस्वरूप वर्णना कर।)
- b. केवलं छन्दोमात्रगोचरस्य लकारस्य प्रयोगान् सोदाहरणं पर्यालोचयत।
(केवल वेदेई व्यवहार्य लकारेर प्रयोग उदाहरणसह विवृत कर।)
- c. इन्द्रस्य माहात्म्यं मन्त्रोद्धारणपूर्वकं समुपवर्णयताम्।
(प्रासङ्गिक मन्त्र उल्लेखपूर्वक इन्द्रेर माहात्म्य वर्णना कर।)
- d. अकारान्तशब्दरूपाणां वैदिकप्रयोगविषये प्रयोगः प्रदर्शयताम्।
(वैदिक अकारान्त शब्दरूपेर प्रयोग देखाओ)
- e. ऋशोपनिषद आद्यमन्त्रद्वयं दार्शनिकदृष्ट्या व्याख्येयम्।
(ऋशोपनिषदेर प्रथम दुटि मन्त्रेर दार्शनिक तात्पर्य देखाओ।)